18 हम अनेक किंतु एक

0331CH18

आनंदमयी कविता

हैं कई प्रदेश के,
किंतु एक देश के,
विविध रूप-रंग हैं,
भारत के अंग हैं।
भारतीय वेश एक
हम अनेक किंतु एक।

बोलियाँ हजार हैं,
टोलियाँ हजार हैं,
कंठ भी अनेक हैं,
राग भी अनेक हैं,
किंतु गीत-बोल एक
हम अनेक किंतु एक।

एक मातृभूमि है,
एक पितृभूमि है,
एक भारतीय हम
चल रहे मिला कदम,
लक्ष्य के समक्ष एक
हम अनेक किंतु एक।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आप किस देश में रहते हैं? आपका प्रदेश कौन-सा है?
2. आपके घर में कौन-सी भाषा बोली जाती है?
3. आपके घर के आस-पास के लोग कौन-सी भाषा बोलते हैं?
4. सभी प्रदेश अलग हैं, लेकिन सबका देश एक है। आपकी मित्रों की टोली में कौन-कौन हैं?

सोचिए और लिखिए

1. 'हम अनेक हैं किंतु एक हैं', उदाहरण देकर इस बात को समझाइए।
2. कविता में भारत के विविध रूप-रंग के बारे में बताया गया है। विविध रूप-रंग का क्या अर्थ है?
3. 'चल रहे मिला कदम' इस पंक्ति में किनके कदम मिलाकर चलने की बात कही गई है?

शब्दों का खेल

1. कविता से समान ध्वनि वाले शब्द छाँटकर लिखिए—

प्रदेश ...., ... हम ...., ...

रंग ...., ... बोलियाँ ...., ...

2. समान ध्वनि वाले कुछ शब्द अपने मन से लिखिए—

बोली ...., ..., ..., ...

एक ...., ..., ..., ...

राग ...., ..., ..., ...

© NCERT not to be republished

3. भूमि शब्द जोड़कर नए शब्द बनाइए—

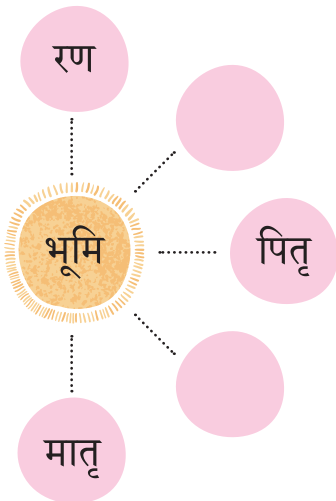

....

....

....

....

....

समझिए और लिखिए

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

हैं कई प्रदेश के,
............................,
विविध रूप-रंग हैं,
............................,
............................,
हम अनेक किंतु एक।

बोलियाँ हजार हैं,
............................,
............................,
राग भी अनेक हैं।
............................,
हम अनेक किंतु एक।

एक मातृभूमि है,
............................,
............................,
चल रहे मिला कदम,
लक्ष्य के समक्ष एक
............................।

© NCERT not to be republished

2. सही अर्थ की जोड़ी बनाकर लिखिए—

कंठ	वेश-भूषा	....
पहनावा	सामने	....
विविध	गला	....
समक्ष	कई प्रकार के	....

3. सही अर्थ वाले वाक्य पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) 'भारतीय वेश एक' का अर्थ है—

- सभी भारतीयों का एक ही पहनावा है।
- भारत में अनेक प्रकार की वेश-भूषा है, लेकिन सभी भारतीय एक हैं।

(ख) 'बोलियाँ हजार हैं' में हजार का अर्थ है—

- बहुत सारी बोलियाँ हैं।
- हजार बोलियाँ हैं।

© NCERT not to be republished

पढ़िए और जानिए

मेरा नाम अथोइबी है। मैं मणिपुर में रहती हूँ। मुझे खाने में एरोम्बा बहुत पसंद है।

मेरा नाम गुरप्रीत है। मैं अमृतसर का रहने वाला हूँ। मैं बोल नहीं सकता। मैं संकेत भाषा में बात करता हूँ। खाने में मुझे मक्के की रोटी और सरसों का साग पसंद है।

मेरा नाम पूर्वा है। मैं महाराष्ट्र की रहने वाली हूँ। मैं मराठी भाषा बोलती हूँ। खाने में मुझे पूरणपोली पसंद है।

मेरा नाम वेंकट है। मैं तमिलनाडु का रहने वाला हूँ। मैं तमिल भाषा बोलता हूँ। खाने में मुझे इडली सांभर पसंद है।

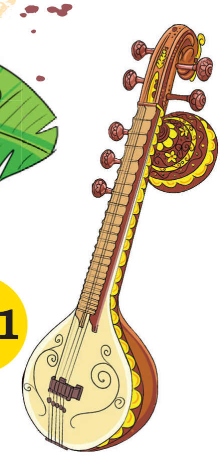

© NCERT not to be republished

चित्र आधारित प्रश्न

- मणिपुर की अथोइबी को खाने में क्या पसंद है?

  ....

- महाराष्ट्र की पूर्वा कौन-सी भाषा बोलती है?

  ....

- तमिलनाडु के वेंकट को खाने में क्या पसंद है?

  ....

- गुजरात की हंसा को कौन-सा नृत्य पसंद है?

  ....

© NCERT not to be republished

पता कीजिए

आप अपने प्रदेश के आस-पास के तीन-चार प्रदेशों की भाषा, खान-पान, वेश-भूषा, तीज-त्यौहारों के बारे में पता कीजिए और साथियों के साथ चर्चा कीजिए।

© NCERT
not to be republished

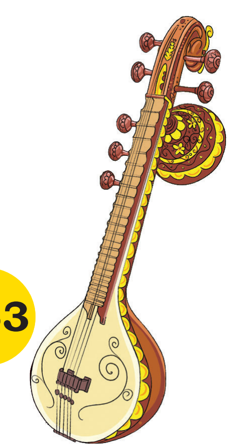

मिलकर गाइए

हिंद देश के निवासी

हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।

बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली,
प्यारे-प्यारे फूल गूंथे माला में एक हैं।

कोयल की कूक प्यारी, पपीहे की टेर प्यारी,
गा रही तराना बुलबुल, राग मगर एक है।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी,
जाके मिलीं सागर में, हुईं सब एक हैं।

© NCERT not to be republished

अगर आप ...

पढ़ाई एवं परीक्षा

निजी संबंधों

करियर

साथियों के दबाव

को लेकर किसी भी तरह के तनाव, चिंता, परेशानी, उदासी या उलझन में हैं, तो काउंसलर की मदद लें

कॉल करें
8448440632

राष्ट्रीय टोल-फ्री काउंसलिंग टेली-हेल्पलाइन
सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक
सप्ताह के प्रत्येक दिन

मनोदर्पण

कोविड-19 के प्रकोप के दौरान और उसके बाद विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु मनो-सामाजिक सहायता

(आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल)

www.https://manodarpan.education.gov.in

© NCERT not to be republished

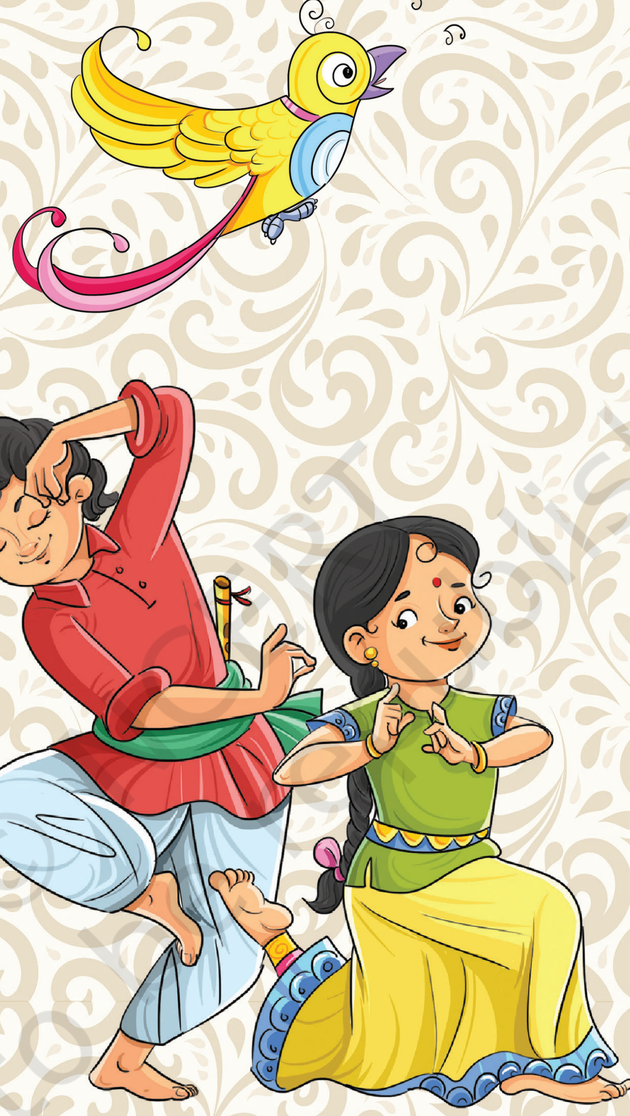

© NCERT not to be republished

0331

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

ISBN 978-93-5292-949-8